भानव संपाधन विकास मंत्री (श्री श्रज्जुंन सिंह): (क) से (ग) डा०डी०एस० कोठारी की श्रध्यक्षता वाले शिक्षा श्रायोग, 1964-66, ने कहा कि देश में कुल शैक्षिक व्यय को 1985-86 तक बढ़ाकर सकल राष्ट्रीय उत्पाद के 6 प्रतिशत तक किया जाना चाहिए । राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 में ग्रन्य बातों के साथ-साथ यह उल्लेख किया गया है कि यह बात सुनिश्चित की जानी चाहिये कि ग्राठवीं पंचवर्षीय योजना से ग्रागे शिक्षा संबंधी परिव्यय समान रूप से राष्ट्रीय ग्राय के 6 प्रतिशत से ग्रधिक रहेगा ।

वर्ष 1991-92 के व्यय संबंधी क्यौरे उपलब्ध नहीं हैं। केन्द्र तथा राज्यों में शिक्षा विभागों का राजस्व बजट वर्ष 1990-92 के कुल राजस्व बजट के 12% तक ग्रांका गया है।

Indian history Congress

3398. KUMARI ALIA: SHRIMATI BASANTI SARMA: SHRI KAPIL VERMA:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

- (a) whether Government's attention have been invited to the news item which appeared in the 'Indian Express', New Delhi dated 30th November, 1991 under the caption "Fresh controversy dogs his tory Congress";
- (b) if so. Government's reaction there to;
- (c) the amount of grant given annually to the Indian History Congress (IHC) in the last three years and the purpose for which it is given;
- (d) what type of administrative, financial and other control is exercised by Government over the affairs of the Indian History Congress; and
- (e) what are the important projects assigned by Government to the Indian History Congress during the last three years and achievements made by the Indian History Congress therein?

THE MINISTER OF HUMAN RE-DEVELOPMENT SOURCE (SHRI ARJUN SINGH): (a) to (e) Yes, Sir. The Indian History Congress is a voluntary organisation of historians which manage its own affairs. Government do not exercise any control over it. According to by information furnished the Indian Council of Historical Research, the under its Grant-in-Aid Scheme, Council. gave the Indian History Congress grant of Rs. 80,000 each year for publishing the proceedings of the Congress, holding the symposium and meeting incidental expenses during 1990-91 and 1991-92-Prior to 1990-91, the amount of grant to the Congress was Rs. 25,000 for Rs. 10,000 for proceedings and symposium per annum. The University Grants Commission has also agreed, in principle, to contribute a token sum of Rs. 10,000 in 1991 to the Congress. Government has, as a special case, provided grant of Rs- 3.00 lakhs to I.H.C. to hold its 1991 Congress. According to the information furnished by Indian Council of Historical Research, the Council neither provides any grant for meeting expenditure on the Secretariat of the Congress nor has it approved any projects of the Indian History Congress for the last 3 years.

> दिस्ली में साक्षरता कार्यक्रम 3399. श्रीमती बसन्ती शर्मा श्री कपिल दर्माः श्रीमती वीणा अर्माः

क्या मानव संसाधन दिकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या यह सच है कि दिल्ली प्रशासन प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के साय-साथ साक्षरता कार्यक्रम चला रहा है; यदि हां, तो यह कार्यक्रम कब से चलाया जा रहा है ग्रौर इसके क्या उद्देश्य हैं;
- (ख) सातवीं पंचवर्षीय योजनाविध के दौरान इस कार्यक्रम के लिये बजट में कितना भ्रावंटन किया गया ; भ्रौर

(ग) क्या यह सच है किह्न्विदिल्ली प्रकासन ने यह सिफारिश की थी कि स्वैच्छिक संस्थाओं को इस कार्यक्रम से सहबद्ध किया जाना चाहिए, यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

मानद संसाधन विकास मंत्री (श्री ऋर्जन तिह): (क) जी हां। साक्षरता, प्रौढ़ शिक्षा के चार संघटकों में से एक है, जो संघ शासित क्षेत्र दिल्ली में 2 ग्रक्तूबर, 1978 से लागू है । परिणात्मक तौर पर, कार्यक्रम का उद्देश्य बरीयता केतौर पर 15--35 ग्राय् वर्गके सभी प्रौढ़ निरक्षरों को साक्षर बनाना है । गुणाबत्तात्मक रूप में, कार्यक्रम का उद्देश्य, शिक्षयों को साक्षरता व ग्रंक ज्ञान में भ्रात्मनिर्भर बनाना, ग्रधिकारों से वंचित रहने के कारणों एवं विकास की प्रक्रिया में उनकी सहभागिता के प्रति उनको जागरूक करना, उनके ग्राधिक स्तर एवं ग्राम दशा को सुधारने के लिए दक्षता प्रदान करने की व्यवस्था करना ग्रीर राष्ट्रीय एकता, पर्यावरण संरक्षण, महिला-समानता और लघु परिवार मानदण्डों ग्रादि जैसे मृत्यों को उनके मन में बिठाना है।

- (ख) सातवीं पंचवर्षीय योजना प्रविध के दौरान, कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय सरकार के ग्रधीन विभिन्न योजनाओं के लिए केंद्र शासित क्षेत्र विल्ली को 365.57 लाख रुपए की धनराशि संस्वीकृत ग्रौर जारी कर दी गई है। इसके ग्रतिरिक्त, संघ शासित प्रशासन द्वारा कार्योन्द्रित की जाने वाली प्रौढ़ शिक्षा की कई योजनाओं के लिए उपर्युक्त ग्रविध के दौरान योजनागत 164.00 लाख रुपए ग्राँर योजनेतर 243.32 लाख रुपए का प्रावधान था।
- (ग) स्वैच्छिक एजेंसियों की सहायता योजना को पिन्होधित एवं पुनर्गठित किया गया है । मार्ग-निर्देशों के साथ-साथ परिकोधित योजना को संघ शासित क्षेत्रों दिल्ली सहित सभी राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में परिचालित कर दिया गया है । परिकोधित योजना और मार्ग-निर्देशों के प्रत्युत्तर में ग्रभी प्रस्ताव प्राप्त किए जाने हैं।

Activities of CARE Incorporated

3400. SHRI SAMAR MUKHERJEE: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

- (a) wheter it is a fact that the activities of the American Agency, CARE Incorpo rated,, are limited to feeding programmes in school; and
- (b) whether Government propose to review/regulate the activities of CARE?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS) WITH ADDITIONAL CHARGE OF MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF WOMEN AND CHILD DEVELOPMENT) (KUMARI MAMATA BANERJEE); (a) No. Sir. In addition to feeding programmes in school. CARE-India provides food commodities for supplementary feeding to children below 6 years, expectant and nursing mothers under Integrated Child Development Services Programme. CARE India also provides assistance to some nonfood programmes aimed at increasing the income and improving the nutritional levels of families covered under ICDS programme.

(b) The programme of CARE India are governed by Indo-CARE agreement 1950. Every '-ear CARE-India submits their annual action plan called list of provisions for the approval of Government of India.

Introduction of self Finance Scheme at Higher Educational level

3401. SHRI CHIMANBHAI MEHTA: SHRI SOM PAL:

Will the Minister of HUMAN RE-SOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government jre aware of the wide spread evil of donation for admission in technical institutions prevailing